वानिकी प्रशिक्षण संस्थान पिंजोर, हरियाणा के वन रक्षकों का आफरी भ्रमण

वानिकी प्रशिक्षण संस्थान पिंजोर, हरियाणा के 35 वन रक्षकों ने क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री विशाल सिंह फोगट के नेतृत्व में, शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर का दिनांक 3/9/2015 को भ्रमण किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यकारी निदेशक डॉ. जी. सिंह ने आफरी की शोध गतिविधियों व शोध उपलब्धियों से समूह को अवगत कराया । उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जैव विविधता, शहरी वनीकरण, बीज तकनीकी, कृषि वानिकी, जैव ईंधन, जैव उर्वरक, वन संरक्षण इत्यादि के बारे में जानकारी दी । साथ ही उन्होंने हरियाणा व राजस्थान की जलवायु में कुछ समानता को ध्यान में रखते हुएं मृदा एवं जल संरक्षण की विभिन्न विधियों जैसे रिंग पिट (ring pit), ट्रेंच (trench), मेड़ एवं तश्तरीनुमा आकार की (mound & saucer shape) संरचनाओं के बारे में बताया । इस दौरान समूह के सदस्यों ने विभिन्न प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया । आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. यू.के. तोमर ने समूह को उत्तम गुणवत्ता के पौधे तैयार करने हेतू वृक्षों के चयन तथा बीज उत्पादन क्षेत्र को विकसित करने की जानकारी दी तथा ऊतक संवर्धन (Tissue culture) तकनीक द्वारा पौधों के प्रवर्धन प्रक्रिया को बताया । संस्थान के अनुसंधान अधिकारी डॉ.एन.के. बोहरा ने मरू क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में पाए जाने वाले पौधों तथा जल एवं मृदा संरक्षण के बारे में जानकारी दी । समूह ने ऊतक सवंर्धन प्रायोगिक क्षेत्र एवं प्रभागों में स्थित प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर शोध गतिविधियों का अवलोकन किया । समूह ने संस्थान के निर्वचन एवं विस्तार केन्द्र का भी भ्रमण कर वहाँ प्रदर्शित शोध गतिविधियों एवं तकनीकों की जानकारी हासिल की । कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष श्री उमाराम चौधरी, भा.व.से. ने इस दल को वानिकी शोध गतिविधियों, तकनीकों आदि की जानकारी उपलब्ध करायी एवं संबोधित भी किया।

श्रीमती भावना शर्मा, वैज्ञानिक डी ने कार्यक्रम का समन्वयन किया तथा श्री रतना राम लोहरा, अनुसंधान सहायक-प्रथम ने उक्त कार्यक्रम में सहयोग किया । अन्त में इस दल ने आफरी की मॉडल नर्सरी का भ्रमण किया, जहाँ श्री सादूल राम देवड़ा, अनुसंधान सहायक-द्वितीय ने नर्सरी के बारे में जानकारी प्रदान की ।

Thank you
for
not Smoking